



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 504]
No. 504]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 3, 1980/कार्तिक 12, 1902
NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 3, 1980/KARTIKA 12, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1980

का. आ. 874(अ)/18कक/अ. वि. वि. अ./80.—बिहार राज्य में मैसर्स मोतीपुर शगर फैक्टरी लि., मोतीपुर, जिला मुजफ्फरपुर नामक औद्योगिक उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) अनुसूचित उद्योग अर्थात् चीनी उद्योग में मगा हुआ है ;

और उसके कब्जे में प्राप्त दस्तावेजों तथा अन्य माध्यमों के आधार पर केन्द्रीय सरकार का उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के भारसाधक व्यक्ति ने निधियों का आयोजन करके ऐसी स्थिति उत्पन्न कर दी है जो उक्त औद्योगिक उपक्रम में उत्पादित चीनी के उत्पादन को प्रभावित कर सकती है और ऐसी परिस्थिति को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाना आवश्यक है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 66) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बिहार स्टेट शगर कारपोरेशन, पटना को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है), उक्त सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम अर्थात् मैसर्स मोतीपुर शगर फैक्टरी लि. मोतीपुर, जिला मुजफ्फरपुर का प्रबन्ध निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों पर ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी निदेशों का पालन करेगा ;
 - (2) प्राधिकृत व्यक्ति आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा ;
 - (3) केन्द्रीय सरकार यदि आवश्यक समझे तो, प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति को पहले ही समाप्त कर सकती है ।
2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से आरम्भ होने वाले दो वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा ।

[फा. सं. 4(13)/80-सी.यू.एस.]

आर.एन. खोपड़ा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 3rd November, 1980

S.O. 874(E)/18AA/IDRA/80.—Whereas, the industrial undertaking known as Messrs Motipur Sugar Factory Limited, Motipur, District Muzaffarpur in the State of Bihar (hereinafter referred to as the said industrial undertaking), is engaged in a scheduled industry, namely, sugar industry;

And, whereas, from documentary or other evidence in its possession, the Central Government is satisfied, in relation to the said industrial undertaking that the persons in charge of the said industrial undertaking have, by diversion of funds, brought about a situation which is likely to affect the production of sugar produced in the said industrial undertaking and that immediate action is necessary to prevent such a situation;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951),

the Central Government hereby authorises the Bihar State Sugar Corporation Limited, Patna (hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, namely, Messrs Motipur Sugar Factory Limited, Motipur, District Muzaffarpur, Bihar, on the following terms and conditions, namely :—

- (1) the authorised person shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (2) the authorised person shall hold office for a period of two years from the date of publication in the Official Gazette of this Order;
- (3) the Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of two years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 4(13)/80-Cus.]

R. N. CHOPRA, Jt. Secy.